The University of Allahabad Bill, 2004

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to declare the University of Allahabad to be an institution of national importance and to provide for its incorporation and matters connected therewith or incidental thereto.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI ARJUN SINGH: Sir, I introduce the Bill.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned till 2.30 p.m.

The House then adjourned for lunch at twenty six minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty minutes past two of the clock,

[MR. CHAIRMAN in the Chair.]

SHORT DURATION DISCUSSION

Foreign Policy of the country

श्री सभापति : आप बैठे – बैठे बोलिए ।

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश) **:** सभापति महोदय, मैं सबसे पहले आपको धन्यवाद दूंगा । थोडी तकलीफ में हूं और मैंने आपसे इजाजत मांगी थी कि शायद खड़े होकर बोल न सकूं । ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : नही , आप बैठे – बैठे बोलिए । यह हाउस ऑफ एल्डर्स है । मैं समझता हूं की इसकी संख्या बढ़े, तो अच्छा है ।

श्री जनेश्वर मिश्र : दूसरे नम्बर पर, मैं माननीय सदस्यों से माफी मांगूगा क्योंकि ये हमारे साथी है और इनके सम्मान और शान के खिलाफ थोडी – सी गुस्ताखी कर रहा हूं , जो मुझे बैठ कर बोलना पड़ रहा है । सभापति महोदय, आज का यह विषय बहुत ही निर्गुण किस्म का विषय है । निर्गुण मैं जान – बूझ कर कह रहा हूं , क्योंकि आम आदमी, उसकी थाली की रोटी , उसके बच्चे की पढ़ाई, उसके खेत – खलिहान या रोजमर्रा की जिन्दगी से इसका कोई सम्बन्ध नही होता , लेकिन फिर भी विदेश नीति ठीक वैसी ही जरुरी है जैसे किसी शरीर की आत्मा जरुरी होती है । विदेश नीति किसी